

रसायन प्रयोग

- शरीर की धातुओं को बल देने वाले तथा शरीर की स्वाभाविक रोगनाशक शक्ति या रोगप्रतिरोधक क्षमता प्रदान करने वाले आहार, विहार, आचार एवं औषधियों (गिलोय, तुलसी, आंवला, शतावरी इत्यादि) को रसायन कहते हैं।
- बुद्धि तथा मेधा की आंकलन क्षमता, संग्रह क्षमता एवं स्मरण शक्ति को बढ़ाने वाले द्रव्यों को मेध्य रसायन कहा जाता है यथा ब्राह्मी, मुलेठी, गिलोय, शंखपुष्पी इत्यादि। वैद्यक परामर्श में इनके नित्य सेवन से मस्तिष्क को बल प्राप्त होता है एवं एकाग्रता क्षमता बढ़ती है।
- समुचित रसायन सेवन रोगनाशक तथा आयु, बल, भूख, सौन्दर्य, स्मृति एवं स्वर को बढ़ाने वाला होता है।
- आयुर्वेद में वर्णित दिनचर्या व ऋतुचर्या का सदैव अनुसरण रसायन सेवन के समान लाभदायक है।